**1. प्रथमः पाठः**  **सुभाषितानि कक्षा- अष्टमी**

छात्र अधिगमः-

1. छात्र पाठ के द्वारा गुण अवगुण में भेद कर गुणी के पास जाकर गुण ग्रहण करेंगे ।

2. विद्या के द्वारा ही मनुष्य अपने को पशु को भेद कर सकेंगे ।

3. लोभी का यश नाश, कंजूस की मित्रता नहीं रहती , क्रियाहीन का कुलनाश, पैसा लोभी का घर्म , व्यसनी की विद्या , कंजुस का सुख, और पागल मंत्री का राज चला जाता है ।

4 आपदा आने से पहले ही उसका निदान सोचना चाहिए ।

5. सज्जनों की वाणी, साहित्य संगीत कला की महत्ता, चुगलखोरों की दोस्ती से हानि,

स्त्रियों के प्रशन्न रहने में सबकी खुशहाली इत्यादि ।

**2. द्वितीयः पाठः बिलस्य वाणी न कदापि मे श्रुता । कक्षा- अष्टमी**

छात्र अधिगमः-

1. यह पाठ पंचतंत्र ग्रन्थ से लिया गया है ।

2 छात्र इस पाठ से प्रत्युत्पन्नमति से होने वाले लाभ के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

3. पाठ में लोमडी अपनी चतुराई से अपनी जान बचाता है ।

4. इस पाठ से **बुद्धिर्यस्य बलं तस्य** का महत्व का पता चलता है ।

5. मनुष्य अपनी बुद्धि के द्वारा जीवन में कठिनाइयों निकल पाता है।

**3. तृतीयः पाठः डीजि भारतम् कक्षा- अष्टमी**

छात्र अधिगमः-

1. इस पाठ के द्वारा लोगों में डिजिटल भारत के प्रति लोगों का उत्साह बढाना।

2. इसके प्रयोग से कागज के उपयोग को कम करना ।

3. पठनपाठन में उपयोग।

4. बैंक, पोस्ट-ऑफिस , रेल इत्यादि मे डिजिटल का प्रयोग ।

5. संगणकयंत्र के प्रयोग से प्रकृति की रक्षा।